Code 21

विषय : संस्कृत साहित्य

निर्धारित समय : 3 घंटे मात्र

कुल अङ्क : 150 अङ्क मात्र

नोट : कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न के अङ्क समान (30) हैं। प्रश्न क्रमाङ्क १ अनिवार्य है। खण्ड 'I' से किन्हीं दो प्रश्नों तथा खण्ड 'II' से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न के खण्डों का उत्तर एक साथ दीजिए।

१. निम्नलिखित में से किन्हीं चार के उत्तर दीजिए : (4x7.5 = 30)

(अ) निम्नलिखितेषु संस्कृतेन सूमोल्लेखपूर्वकं विग्रहप्रदर्शनसहितं समासनाम उल्लिख्यताम् :
यथाशक्ति, अतिमाल:, जलजाक्षी, पितरौ, अतिनिद्रम्।

(आ) भारतीयजीवनपद्धतौ पुरुषार्थस्य स्थानं प्रतिपादयत।

(इ) अधोलिखितेषु वाक्येषु वाच्यपरिवर्तनं विधीयताम् :

(i) गां दोग्धि पय:।

(ii) त्वं विद्यालयं गमिष्यसि।

(iii) मया अन्नं न याच्यताम्।

(iv) अहं गृहं गच्छानि।

(v) त्वं पुस्तकम् अपठ:।

(ई) निम्नलिखितेषु कयोश्चित् द्वयो: सन्दर्भनिर्देशपूर्वकं व्याख्या विधीयताम् :

(i) ईशा वास्यमिदं सर्वं यत्किञ्च जगत्यां जगत्।
तेन त्यक्तेन भुञ्जीथा मा गृध: कस्य स्विद्धनम्॥

(ii) शुश्रूषस्व गुरून् कुरू प्रियसखीवृत्तिं सपत्नीजने,
भर्तुर्विप्रकृतापि रोषणतया मा स्म प्रतीपं गम:।
भूयिष्ठं भव दक्षिणा परिजने भाग्येष्वनुत्सेकिनी,
यान्त्येवं गृहिणीपदं युवतयो वामा: कुलस्याधय:॥

(iii) यदा किञ्चिज्ज्ञोऽहं द्विप इव मदान्ध: समभवं,
तदा सर्वज्ञोऽस्मीत्यभवदवलिप्तं मम मन:।
यदा किञ्चित् किञ्चिद् बुधजनसकाशादवगतं,
तदा मूर्खोऽस्मीति ज्वर इव मदो मे व्यपगत:॥

(उ) अधोनिर्दिष्टेषु कयोश्चिद् द्वयो: विषययो: टिप्पणी संस्कृतभाषया लेख्या:

(i) कालिदासकृतं मेघदूतम्

(ii) जयदेवकृतं गीतगोविन्दम्

(iii) कल्हणकृता राजतरङ्गिणी

(ऊ) सांख्यदर्शनस्य पञ्चविंशतितत्त्वानां विमर्श: करणीय:।

(ऋ) वैदिकसंस्कृतभाषाया: वैलक्षण्यं प्रतिपाद्यताम्।

खण्ड I

2. (अ) निम्नलिखित अवतरण के आधार पर इसके नीचे दिये गये प्रश्नों का उत्तर संस्कृत में दीजिए : (15)

अपरिणामोपशमो दारूणो लक्ष्मीमद: । कष्टमनञ्जनवर्तिसाध्यमपरमैश्वर्यतिमिरान्धत्वम् । अशिशिरोपचारहार्योऽतितीव्रो दर्पदाहज्वरोष्मा । सततममूलमन्त्रगम्यो विषमो विषयविषास्वादमोह: । नित्यमस्नानशौचवध्यो रागमलावलेप: । अजस्रमक्षपावसानप्रबोधा घोरा च राज्यसुख संन्निपातनिद्रा भवतीति विस्तरेणामिधीयसे ।

(i) क: मद: अपरिणामोपशमो दारूणो भवति ?

(ii) "तिमिरान्धत्वम्" इत्यस्य कोऽर्थ: ?

(iii) दर्पदाहज्वरोष्मा कै: उपचारै: न परिहर्तुं योग्य: ?

(iv) "विषयविषास्वादमोह:" इत्यस्य क: अभिप्राय: ?

(v) स्नानशौचवध्य: क: न भवति ?

(आ) निम्नलिखित अवतरण का संस्कृत में अनुवाद कीजिए : (15)

पाण्डु की स्त्री पृथा अथवा कुन्ती के नाम से प्रसिद्ध थी और वह पाँच पाण्डवों की माँ भी थी । ये पाण्डव युधिष्ठिर, भीम, अर्जुन, नकुल और सहदेव थे । सब लोग उनसे स्नेह करते थे, क्योंकि वे महान् गुणों से पूर्ण थे । भीम का हृदय प्रसन्न था, क्योंकि उन्होंने देखा कि सभी कुमारों में ज्येष्ठ युधिष्ठिर में राजा बनने के गुण विद्यमान हैं । उनके पिता महाराज पाण्डु की वन में अकस्मात् मृत्यु हो गयी और धृतराष्ट्र ने घोषित किया कि आज से राजकुमार युधिष्ठिर को दोनों राज्यों का उत्तराधिकारी समझना चाहिए ।

3. निम्नलिखित में से किसी एक पर 250 शब्दों में संस्कृत में निबन्ध लिखिए : (30)

(अ) रामायणस्य सांस्कृतिकमहत्त्वम् ।

(आ) कौटिल्यस्य अर्थशास्त्रस्य वर्तमानसमये प्रासङ्गिकता ।

(इ) आधुनिकभाषाविज्ञाने संस्कृतभाषाया: स्थानम् ।

(ई) संस्कृतवाङ्मये गायनपरम्परा ।

4. बौद्ध दर्शन के आर्यसत्यों का दार्शनिक विश्लेषण करें । (30)

खण्ड II

5. संस्कृत खण्डकाव्य परम्परा के उद्भव एवं विकास पर प्रकाश डालिए । (30)

6. 'भारवेरर्थगौरवम्' उक्ति की सप्रमाण समीक्षा कीजिए । (30)

7. मुद्राराक्षस के आधार पर तत्कालीन राजनैतिक व्यवस्था का वर्णन कीजिए । (30)